समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 26 August 2026

Microsoft का बड़ा AI दांव : Excel-Outlook में OpenAI और Anthropic की जगह अपने AI मॉडल करेगा इस्तेमाल

Sanket Morankar
Published on 09 Jul 2026

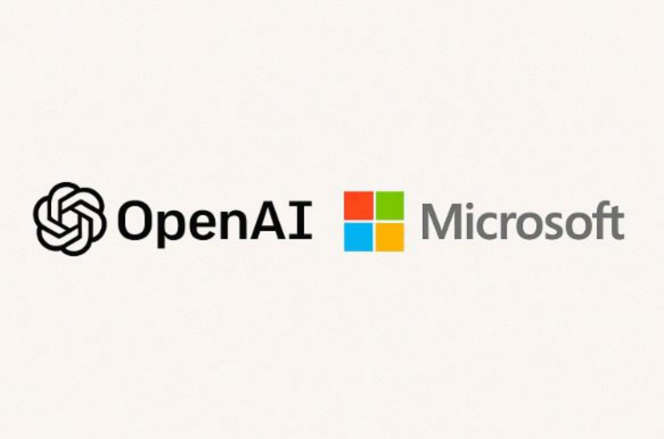

Microsoft ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर होने वाले बढ़ते खर्च को कम करने के लिए बड़ा रणनीतिक कदम उठाया है। कंपनी अब **Excel** और **Outlook** जैसे लोकप्रिय ऑफिस ऐप्स में **OpenAI** और **Anthropic** के कुछ AI मॉडल्स की जगह अपने विकसित किए गए **MAI (Microsoft AI)** मॉडल्स का इस्तेमाल शुरू कर रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, Microsoft हर सप्ताह आने वाले हजारों AI प्रॉम्प्ट्स को प्रोसेस करने के लिए अपने इन-हाउस AI मॉडल्स का उपयोग कर रहा है। पहले इन सेवाओं के कई स्मार्ट फीचर्स के लिए कंपनी मुख्य रूप से OpenAI और Anthropic के मॉडल्स पर निर्भर थी।

AI लागत घटाने पर फोकस

AI मॉडल्स को चलाने के लिए भारी कंप्यूटिंग संसाधनों की जरूरत होती है, जिससे कंपनियों का खर्च तेजी से बढ़ता है। Microsoft का मानना है कि अपने AI मॉडल्स का इस्तेमाल करने से वह बिना प्रदर्शन से समझौता किए ऑपरेटिंग कॉस्ट को काफी हद तक कम कर सकेगा।

हालांकि Microsoft और OpenAI के बीच लंबी साझेदारी होने के कारण कंपनी को अभी विशेष लाभ मिल रहा है, लेकिन भविष्य में बाहरी AI सेवाओं पर अधिक निर्भरता महंगी साबित हो सकती है। इसी वजह से कंपनी अपने AI इकोसिस्टम को मजबूत करने में जुटी है।

Copilot को मिलेगा फायदा

Microsoft की यह रणनीति उसके **Copilot** प्लेटफॉर्म से भी जुड़ी है। कंपनी चाहती है कि भविष्य में अधिक से अधिक AI सेवाएं उसके अपने मॉडल्स पर आधारित हों, ताकि लागत कम होने के साथ-साथ तकनीकी नियंत्रण भी कंपनी के पास रहे।

AI प्रमुख ने क्या कहा ?

Microsoft के AI प्रमुख **मुस्तफा सुलेमान** ने कहा कि कंपनी Anthropic की सेवाओं पर बड़ी रकम खर्च करती है और अब उसका उद्देश्य इस खर्च को धीरे-धीरे कम करना तथा अंततः समाप्त करना है।

उन्होंने बताया कि कंपनी के भीतर कई टीमें AI टोकन्स पर लाखों डॉलर खर्च कर रही हैं, जो यह दिखाता है कि बड़े स्तर पर AI सेवाओं का संचालन कितना महंगा हो सकता है।

बदल रही है AI रणनीति

फिलहाल यह बदलाव Microsoft के कुल AI संचालन का छोटा हिस्सा है, लेकिन इसे कंपनी की दीर्घकालिक रणनीति में महत्वपूर्ण परिवर्तन माना जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में बड़ी टेक कंपनियां लागत कम करने और तकनीकी आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए अपने स्वयं के AI मॉडल्स को प्राथमिकता दे सकती हैं।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.